मोड्यूल 2 : समुदाय में कार्य करना तथा गर्भावस्था में घर-घर जाना

सत्र 15 : एक आदर्श आशा की विशेषताएँ

दिवस : 4
समयावधि : 1 घंटा

प्रयोजन

आशाओं को बताना कि सकारात्मक मनोवृत्ति और व्यवहार के साथ–साथ अपनी भूमिका और कार्यकुशलता की जानकारी से ही कार्य अच्छी प्रकार किया जा सकता है। आशा में लोगों के प्रति सेवाभाव, उनकी मदद करने की प्रेरणा, और सीखने की इच्छा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

उद्देश्य

सत्र के समापन पर आशा में निम्न योग्यता आएँगी :

1) अपना कार्य अच्छी प्रकार से करने के लिये आशा में जो गुण आवश्यक हैं, उनकी सूची बनाना।
2) समझाना कि हर घर में 'नवजात शिशुओं की देखभाल' कार्यक्रम की सफलता में इन गुणों का क्या महत्व है तथा इनमें से कुछ गुणों का प्रदर्शन करना।

सामग्री

- ब्लैक बोर्ड या सफेद चार्ट पेपर
- चार्ट पेपर लगाने के लिये फ्लिप बोर्ड
- मार्कर पेन या चाक
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: आशा को प्रेरणा देने के लिए कहानी

तैयारी

- कहानी (प्रशिक्षक प्रपत्र 1) को प्रशिक्षक बार बार पढ़ें और कहानी सुनाने का अभ्यास करें। ध्यान रहे, कहानी पढ़नी नहीं है, कहानी भावना के साथ सुनानी है, जिससे प्रशिक्षणार्थी प्रेरित हों। यदि संस्था का कोई प्रमुख व्यक्ति कहानी सुनाता है, तो उन्हें भी यही बताएँ।

प्रशिक्षण विधि

<u>कहानी सुनाना</u> (10 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रशिक्षक कहानी सुनाएँ। प्रशिक्षक यह सुनिश्चित करें कि कहानी केवल पढ़ी न जाए वरन् भावनापूर्ण तरीके से सुनाई जाए।
2. कहानी सुनाने के बाद आशाओं से पूछें कि कहानी के आशा में क्या–क्या गुण थे ? इनको सफेद चार्ट पेपर या ब्लैक बोर्ड पर लिखें।

बड़े समूह में चर्चा (10 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रशिक्षक चर्चा की शुरूआत करें और पूछें – "यदि आप भी इसी गाँव की रहने वाली एक गर्भवती महिला हैं, तो आप आशा में वह कौन से गुण देखना चाहेंगी जिनसे वह आपकी, और होने वाले शिशु की देखभाल कर सके।"
2. कहानी कहते समय जो गुण छूट गए थे, उनको प्रशिक्षक ब्लैक बोर्ड पर लिखें। हर गुण के बारे में चर्चा करें। इस सूची में कुछ गुणों को जोड़ें, कुछ को निकालें, अथवा कुछ का वर्गीकरण तब तक करें जब तक सबकी सहमति न हो जाए।
3. इस सूची को प्रत्येक आशा अपनी कॉपी में लिख ले। जैसे जैसे प्रशिक्षण आगे बढ़ेगा, हर आशा बीच बीच में इस सूची को देखती जाए और यह सोचे कि इनमें से कौनसे गुण उस में हैं। (यह सूची अगले कई प्रशिक्षण कार्यशालाओं में भी देखी जाएगी।)
4. ब्लैकबोर्ड पर एक ओर कुछ गुण लिखें, और दूसरी ओर उसका उल्टा (अवगुण) लिखें (जैसे : दयालु–निर्दयी)

भूमिका नाटक (30 मि.)

प्रशिक्षक हेतु सुझाव :

1. दो महिलाओं को बुलाएँ। उन्हें 2 नाटक प्रस्तुत करने को कहें। एक, जिसमें गुणों का प्रदर्शन हो और दूसरा, जिसमें अवगुणों का।
2. भूमिका नाटक की चर्चा करें। उनसे पूछें कि उन्हें गुणों/अवगुणों को दर्शाते समय कैसा लगा?
3. यदि समय हो तो 2–3 और भूमिका नाटक प्रस्तुत करवाएँ।
4. आशाओं को बताएँ : ये गुण/अवगुण हमारे रोज़ाना के व्यवहार में भी दिखाई देते हैं। इनके प्रति सचेत रहें और अपने व्यवहार का निरीक्षण करती रहें।

सारांश (5 मि.)

- एक प्रशिक्षणार्थी से पूछें कि एक आशा में अपना कार्य अच्छी प्रकार करने के लिये कौन से गुण होने चाहिए ?
- दूसरे प्रशिक्षणार्थी से पूछें कि हर घर में 'नवजात शिशुओं की देखभाल' कार्यक्रम की सफलता में इन गुणों का क्या महत्व है।
- कुछ गलतियाँ हों तो सुधारें और महत्वपूर्ण जानकारी दोहराएँ।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन (5 मि.)

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
अपने कार्य को अच्छी प्रकार से करने के लिए आशाओं में जो गुण होने चाहिए उनकी सूची बनाना।	भूमिका नाटक का अवलोकन	अपने कार्य को अच्छी प्रकार से करने के लिए आशाओं में जो गुण होने चाहिए उनकी सूची प्रत्येक आशा के पास है।
समझाना कि हर घर में 'नवजात शिशुओं की देखभाल' कार्यक्रम की सफलता में इन गुणों का क्या महत्व है तथा इनमें से कुछ गुणों का प्रदर्शन करना।	भूमिका नाटक/सारांश में चर्चा	प्रशिक्षक भूमिका नाटक के अवलोकन का रिकार्ड तैयार करें। विशेषकर उन गुणों का उल्लेख करे जिन्हें भूमिका नाटक के माध्यम से दर्शाना आशाओं को कठिन लगा।